गणेश स्तुति

श्री गणेश,शुभदता जय मंगलकारी,
संकट नाशक,देवा जयजय सुखकारी।
सिद्धि-सिद्धि लक्ष्मी, शुभदायक,
गौरी के नंदन तुम , सर्वव्यापक।

विद्याओं में सारी गणपति तुम माहिर,
शिव-शक्ति के संग बसे कश्यप घर,
तेरे बिना कोई भी काम होता न पूरा।
हर सिद्धि का मेरा गणपति आधारा ।

चरणों की रज,अपने माथे लगाऊँ ,
करदो कृपा देवा तुमको मनाऊँ ।
आँसू से अपने धोऊँ चरण
लेलो गजानन अपनी शरण।

शिव नंदन गणपति प्रभु जी हमारे,
सारे दुखों को हरते हो प्यारे।
शिव-पार्वती लाल, तुमको अभिनंदन,
भक्त सभी करते गणपति वंदन ।

तेरे बिना सारा काम ,अधूरा
कर दो कृपा प्रभू हो जाए पूरा ।
हे गणपति, तू सारी विद्या के दाता,
सारा जगत तेरी महिमा है गाता।

उज्ज्वल कुमार श्रीवास्तव